इकाई 1

सुरक्षा सेवाओं का परिचय

परिचय

जब आप एक स्वचालित टेलर मशीन (एटीएम) की ओर चलते हैं, तो आपको दिखाई देने वाले पहले व्यक्तियों में से एक 'सुरक्षा गार्ड' होता है। एक 'सुरक्षा गार्ड', आम तौर पर, एटीएम बूथ के बाहर बैठता है और बूथ में प्रवेश को नियंत्रित करता है। वह एटीएम बूथ में अवैध गतिविधि, चोरी और बदमाशी को रोकता है। सुरक्षा गार्ड विभिन्न प्रकार के कार्य करते हैं, जिसमें लोगों की सहायता करना शामिल है, जो एटीएम कार्ड का उपयोग करने में समस्याओं का सामना करते हैं। एटीएम बूथ पर एक सुरक्षा गार्ड, इसलिए, बैंक और उसके ग्राहकों के बीच एक कड़ी है।

आइए अब हम 'सुरक्षा' शब्द के अर्थ को समझने की कोशिश करते हैं। 'सिक्योरिटी' लैटिन शब्द सेक्यूरस से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'खतरे से मुक्त' या 'सुरक्षित'। इस प्रकार, सुरक्षा को खतरे के संपर्क से मुक्ति; सुरक्षा और निश्चितता की भावना; चिंता से मुक्ति; चोरी, घुसपैठ, उठाईगिरी या क्षति; और जीवित प्राणियों को सुरक्षित रखने के खिलाफ एक संपत्ति को सुरक्षित (निरापद) करने के लिए सुरक्षा या व्यवस्था के साधन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

तेजी से बदलते सामाजिक और तकनीकी परिवेश में सुरक्षा में सुधार के लिए सुरक्षा पहलुओं और कार्यों को समझना महत्वपूर्ण है। सुरक्षा प्रदान करने का मूल उद्देश्य व्यक्तियों, संपत्ति और मालिकाना जानकारी के खिलाफ अपराध को रोकना है। सुरक्षा एक सुरक्षित और खतरे से मुक्त वातावरण प्रदान करती है, ताकि लोग बिना किसी डर के अपने दैनिक कामों और व्यवसायों का संचालन कर सकें।

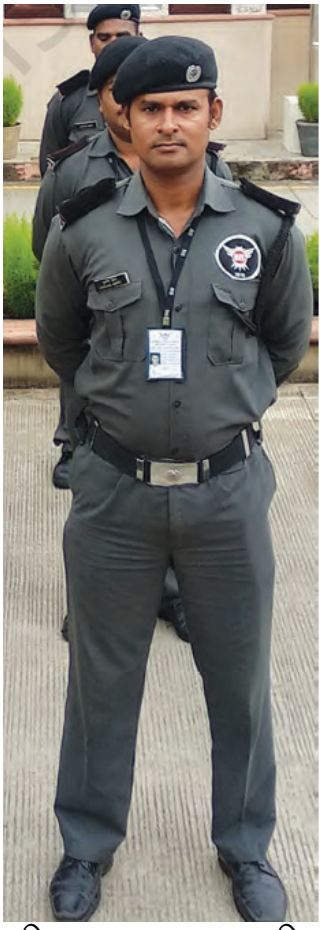

चित्र 1.1 : एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड

भारत में दो मुख्य सुरक्षा प्रभाग हैं – सार्वजनिक और निजी। सार्वजनिक एजेंसियां सुरक्षा सेवाएं प्रदान करती हैं जो विशेष रूप से केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा सार्वजनिक हित में वित्त पोषित होती हैं। इन एजेंसियों में केंद्र और राज्य सरकारों के सुरक्षा बल शामिल हैं। निजी एजेंसियों द्वारा ग्राहकों को शुल्क के आधार पर निजी सुरक्षा प्रदान की जाती है।

जनता की सुरक्षा Public Security

नागरिकों, संगठनों और संस्थानों को उनकी भलाई और उत्पादकता के लिए खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकारों की जिम्मेदारी है। यह उन समूहों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है जो सार्वजनिक हित में सरकार द्वारा विशेष रूप से वित्त पोषित सुरक्षा सेवाएं प्रदान करते हैं। सार्वजनिक सुरक्षा समूहों के कर्तव्यों में अपराधों और अन्य आपराधिक अपराधों को रोकना, अपराध के पीड़ितों की सहायता करना, मसौदा तैयार करना और आपराधिक आरोप लगाना, अपराधियों को गिरफ़्तार करना या हिरासत में लेना या अपराधों में शामिल लोगों पर संदेह करना, अपराधों की जांच करना, तलाशी और गिरफ़्तारी वारंटों को निष्पादित करना, सबूतों को जब्त करना और कोर्ट में गवाही देना शामिल हैं।

उदाहरण के लिए, पुलिस, सार्वजनिक संपत्तियों और नागरिकों की रक्षा करती है और कानूनों और प्रशासनिक नियमों को लागू करती है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) हवाई अड्डों जैसे सार्वजनिक और निजी संपत्तियों की सुरक्षा करता है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) भारतीय रेलवे की सुरक्षा करता है और ट्रेनों में यात्रा करने वाले नागरिकों और रेलवे स्टेशनों पर मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। होम गार्ड भारत में एक अर्ध सैनिक पुलिस बल है, जो राज्य पुलिस के एक सहायक के रूप में काम करता है और कानून और व्यवस्था के रखरखाव में मदद करता है, और आग, चक्रवात, भूकंप महामारी, आदि जैसी आपातकालीन स्थितियों में आंतरिक सुरक्षा और सामुदायिक सेवा सुनिश्चित करता है।

निजी सुरक्षा Private Security

निजी सुरक्षा का अर्थ है, एक व्यक्ति द्वारा प्रदान की जाने वाली सुरक्षा, लोक सेवक के अलावा, लोगों या संपत्ति या दोनों की रक्षा करने के लिए और बख़्तरबंद armoured कार सेवा का प्रावधान शामिल है। निजी एजेंसियों द्वारा ग्राहकों को शुल्क के आधार पर निजी सुरक्षा प्रदान की जाती है।

निजी सुरक्षा उद्योग में सभी प्रकार के निजी संगठन और व्यक्ति शामिल हैं जो सभी प्रकार की सुरक्षा–संबंधित सेवाएं प्रदान करते हैं, जैसे कि जांच, गार्ड, गश्ती, झूठ का पता लगाने, अलार्म और बख्तरबंद परिवहन। सरकार की नीतियों जैसे प्रशिक्षण संस्थानों और स्कूलों में गार्ड तैयार करना और विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य करने से भी भारत में निजी सुरक्षा गार्डों की मांग में तेजी आई है। कई सुरक्षा एजेंसियों ने मानवयुक्त रखवाली, कैश हैंडलिंग, इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रबंधन, सुरक्षा परामर्श और सुरक्षा प्रशिक्षण जैसी सेवाएं प्रदान करने में विविधता बनाई है।

निजी सुरक्षा सेवाएं निम्न गतिविधियों में से कम से कम एक के प्रदर्शन को संदर्भित करती हैं :

- गैर कानूनी गतिविधि को देखना और रिपोर्ट करना
- माल, धन या मूल्यवान अन्य वस्तुओं की चोरी या दुरुपयोग को रोकना और उनका पता लगाना

- व्यक्तियों या संपत्ति की रक्षा करना
- परिसर की सुरक्षा को नियंत्रित करना
- कैदियों को सुरक्षित रूप से ले जाना निजी सुरक्षा का कार्य नहीं है स्थानीय पुलिस का कार्य है
- व्यक्तियों को हिरासत में लेने या गिरफ्तारी के तहत व्यक्तियों द्वारा प्रवर्तन कार्रवाई करना
- परिसर की रखवाली या गैर कानूनी उपकरणों या पदार्थों का पता लगाने के लिए कैनाइन सेवाएं प्रदान करना

Adapted from Oregon Laws-Legal Glossary
https://www.oregonlaws.org/glossary/definition/private_ security_services

एक निजी सुरक्षा गार्ड को लोगों और निजी संगठनों द्वारा उनकी निजी सुरक्षा और उनकी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए काम पर रखा जाता है। एक निजी सुरक्षा गार्ड हथियार के साथ या उसके बिना हो सकता है। एक सुरक्षा गार्ड किसी की योग्यता, क्षमता, कड़ी मेहनत और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ एक मुख्य सुरक्षा अधिकारी (सीएसओ) के पद तक पहुंच सकता है।

सुरक्षा एजेंसी Security Agency

एक सुरक्षा एजेंसी एक संगठन या एजेंसी है जो विभिन्न स्थानों पर और विभिन्न सुरक्षा–संबंधी उद्देश्यों के लिए सुरक्षा कर्मियों के रूप में नियुक्त करने के लिए लोगों को काम पर रखती है। एक निजी सुरक्षा एजेंसी सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी हुई है, जिसमें निजी सुरक्षा गार्ड या उनके पर्यवेक्षक को प्रशिक्षण देना या औद्योगिक या व्यावसायिक उपक्रम या कंपनी या किसी अन्य व्यक्ति या संपत्ति को सुरक्षा गार्ड प्रदान करना शामिल है। भारत में निजी सुरक्षा उद्योग का संचालन निजी सुरक्षा एजेंसियों (विनियमन) अधिनियम (पीएसएआरए), 2005 द्वारा किया जाता है। अधिनियम निजी सुरक्षा एजेंसियों और उसी से जुड़े या आकस्मिक मामलों के विनियमन के लिए प्रदान करता है। पीएसएआरए जम्मू और कश्मीर को छोड़कर संपूर्ण भारत में फैला हुआ है।

एक निजी सुरक्षा एजेंसी निम्नलिखित तरीकों से सुरक्षा कर्मियों को नियुक्त करती है :

i. मालिकाना सुरक्षा Proprietary security
ii. संविदात्मक सुरक्षा Contractual security

मालिकाना सुरक्षा

यह एक उद्यम के स्वामित्व में है और सुरक्षा कर्मचारी उद्यम के पेरोल पर होते हैं।

संविदात्मक सुरक्षा Contractual security

संविदात्मक सुरक्षा में, एजेंसियां अपनी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनियों के साथ काम कर सकती हैं और उसी के लिए संविदात्मक कर्मचारियों को ढूंढ सकती हैं। इस प्रकार, एक उद्यम 'संविदा' नामक एक सीमित अवधि के लिए पूर्व–निर्धारित समझौते के आधार पर सुरक्षा सेवाओं को आउटसोर्स या किराए पर लेता है। भारत में निजी सुरक्षा उद्योग सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है और आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक निजी सुरक्षा एजेंसी को एक व्यक्ति को रोजगार वरीयता देने की आवश्यकता होती है, जिसने सेना, नौसेना, वायु सेना, पुलिस या होमगार्ड में सदस्य के रूप में कार्य किया हो।

व्यक्तिगत सुरक्षा गार्ड Personal security guards

वे अपने नियोक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कार्यरत हैं। उन्हें 'बॉडी गार्ड' या 'बाउंसर' के रूप में भी जाना जाता है, और हर जगह अपने नियोक्ताओं के साथ रहते हैं।

आवासीय सुरक्षा गार्ड **Residential security guards**

वे निवासियों को सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने के लिए आवासीय कॉलोनियों, अपार्टमेंट, वृद्धाश्रम और अन्य आवासीय क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

कॉर्पोरेट सुरक्षा गार्ड **Corporate security guards**

वे व्यावसायिक संपत्ति की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए कार्यरत हैं। कॉर्पोरेट सुरक्षा में कॉर्पोरेट भवनों, शॉपिंग मॉल, निजी संगठनों और अस्पतालों की सुरक्षा शामिल है।

मुख्य सुरक्षा अधिकारी
↑
सुरक्षा अधिकारी
↑
सहायक सुरक्षा अधिकारी
↑
क्षेत्र अधिकारी
↑
सुरक्षा पर्यवेक्षक
↑
हेड गार्ड
↑
निजी सुरक्षा गार्ड

चित्र 1.2 : एक निजी सुरक्षा संगठन में एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड के लिए रिपोर्टिंग संरचना

निजी सुरक्षा गार्ड **Private security guards**

वे सुरक्षा के लिए व्यापारियों और उद्यमियों द्वारा नियोजित किए जाते हैं।

मोबाइल सुरक्षा गार्ड **Mobile security guards**

मोबाइल सुरक्षा गार्ड परिधि के चारों ओर घूमते हैं, और संदिग्ध व्यवहार या कार्यों के लिए लोगों का निरीक्षण और निगरानी करते हैं। 'परिधि' ईंटों या बाड़ के साथ निर्मित प्राकृतिक अवरोधों या दायरे को संदर्भित करता है, जो या तो घुसपैठियों को दूर रखने के लिए बनाया जाता है या उस क्षेत्र या सीमा के चारों ओर स्थित बंदियों को रखने के लिए जो क्षेत्र को घेरता है।

स्थिर सुरक्षा गार्ड **Static security guards**

मोबाइल सुरक्षा गार्डों के विपरीत, स्थिर सुरक्षा गार्ड एक स्थान पर रहते हैं और लोगों और सामग्री की गतिविधियों की निगरानी करते हैं। वे काम करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का उपयोग कर सकते हैं।

सत्र 1: सुरक्षा कार्मिक की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

हर काम की कुछ विशिष्ट भूमिकाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। एक व्यक्ति की कल्पना करें, जो पत्रों को वितरित करता है और नौकरी से जुड़ी जिम्मेदारियों से पूरी तरह से वाकिफ नहीं है। इससे न केवल मेल के समय पर वितरण में विफलता से समस्या बन सकती है, बल्कि गलत पते पर मेलों के वितरण भी हो सकता है। किसी की भूमिका और जिम्मेदारियों से अवगत होने के कारण काम में कुशल होने में मदद मिलती है। सुरक्षा क्षेत्र में, प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसे विशेष रूप से विभिन्न कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के लिए तैयार किया जाता है जो सुरक्षा कर्मियों को करना होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि सुरक्षाकर्मी हमेशा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहें।

सार्वजनिक और निजी सुरक्षा कर्मियों की भूमिकाएं और कार्य

सुरक्षा कर्मियों की भूमिका प्रकृति में सुरक्षात्मक, निवारक और जासूसी करने के कार्यों में होती है।

सुरक्षात्मक भूमिका **Protective role**

एक सुरक्षाकर्मी की भूमिका, सामान्य रूप से, लोगों, संपत्ति और सूचना को आंतरिक, साथ ही बाहरी खतरों और आक्रामकता से बचाने के लिए होती है। पुलिस अधिकारी, जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों का एक हिस्सा हैं, समुदायों के साथ साझेदारी में काम करते हैं। वे कानून और व्यवस्था बनाए रखने, जनता और उनकी संपत्ति की रक्षा करने, अपराध को रोकने, नागरिकों के बीच अपराध के डर को कम करने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए काम करते हैं।

निवारक भूमिका **Preventive role**

सुरक्षा की निवारक प्रकृति व्यक्तियों, संपत्ति और सूचना के खिलाफ विघटनकारी गतिविधियों को रोकना चाहती है। रोकथाम के लक्ष्यों को एक खुफिया एजेंसी के माध्यम से सूचनाओं के एकत्रीकरण, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग, जैसे क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे, एक वायरलेस सिस्टम जैसे कुशल सुरक्षा कर्मियों और संचार उपकरणों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

व्यक्ति के प्रति व्यवधान ***Disruption against person***

इसमें सशस्त्र हमला, अपहरण, बंधी बनाना, कत्ल, हत्या, बलात्कार आदि जैसी घटनाएं शामिल हो सकती हैं।

संपत्ति के खिलाफ व्यवधानकारी गतिविधि ***Disruptive activity against property***

इसमें चोरी, डकैती, आगजनी, तोड़फोड़ और बमबारी, इसके अलावा अन्य शामिल हो सकते हैं।

***जासूसी* या *साइबर खतरा* Espionage or cyber threat**

यह मालिकाना सूचना सुरक्षा के खिलाफ व्यवधान का एक सामान्य रूप है।

जासूस की भूमिका Detective role

सुरक्षा की इस भूमिका में व्यवधानकारी गतिविधियों का पता लगाना शामिल है जिन्हें संपत्ति और सूचना के खिलाफ निर्देशित किया जा सकता है। आपराधिक इरादे वाले लोगों, हथियारों, गोला–बारूद, विस्फोटकों और हथियारों की मौजूदगी का जल्द पता लगाने से बड़े खतरे को रोका जा सकता है।

डिटेक्टिव सिक्योरिटी को सबसे अच्छा तब कहा जाता है जब उसे योजना बनाने के चरण में ही किसी अपराध का पता चल जाता है, उदाहरण के लिए, जब लोगों का एक समूह किसी इलाके या घर में इकट्ठा होता है और अपराध करने की योजना बनाता है, और एक सुरक्षा अधिकारी उसकी उपस्थिति का पता लगाता है, देखता है इसकी गतिविधियों, इसके इरादों और पुलिस के बारे में तुरंत रिपोर्ट के बारे में पता चलता है। ऐसी स्थिति में सुरक्षाकर्मियों की जासूसी भूमिका अपराध को रोकने में मदद करती है।

सुरक्षा अनुप्रयोग उद्योगों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, वित्तीय संस्थानों, शैक्षिक संस्थानों और मनोरंजक और धार्मिक स्थानों जैसे विभिन्न संस्थानों तक विस्तारित होते हैं।

एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की सामान्य भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड के पास एक स्थल की सुरक्षा करते समय कई जिम्मेदारियां होती हैं। मुख्य कर्तव्य 'निरीक्षण', 'पता लगाने' और 'रिपोर्ट' करना है। लोगों के जीवन और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, जिसकी कीमत करोड़ों रुपए में हो सकती है, अक्सर शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड के हाथों में होती है।

आइए अब हम एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर एक नज़र डालते हैं।

निरीक्षण और रिपोर्टिंग Observing and reporting

शब्द 'निरीक्षण' का तात्पर्य है, शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड को ध्यान से देखना और वह क्या कर रहा है का नोट्स बनाना। सुरक्षा गार्ड को घटनाओं, कर्तव्यों और उनके कार्यों और टिप्पणियों के विवरणों की लिखित रिपोर्ट तैयार करने की आवश्यकता होती है। यदि किसी को किसी घटना के बारे में किसी को जानकारी देने की आवश्यकता है, तो अवलोकन कौशल आवश्यक है। रिपोर्टिंग में वरिष्ठ अधिकारी या पर्यवेक्षक के बारे में बताना शामिल है कि किसी ने क्या देखा है। असामान्य घटनाओं, साथ ही, नियमों के उल्लंघन की सूचना दी जानी चाहिए। सावधानी से तैयार किए गए नोट्स और रिपोर्ट महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उन्हें अदालत या पुलिस जांच में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

चित्र 1.3 : एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड सतर्क बना रहता है

अपराध को रोकना और पता लगाना Preventing and detecting crime

एक साइट पर एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की उपस्थिति असामाजिक तत्वों के लिए एक निवारक के रूप में कार्य करती है। हालांकि, यदि कोई गैरकानूनी कार्य करता है, तो शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड को तुरंत पुलिस को फोन करना चाहिए और उन्हें जानकारी देनी चाहिए ताकि वे अपराध को रोकने और बदमाशों को पकड़ने में सक्षम हों। पुलिस के साथ सफल समन्वय के लिए, उसे पुलिस विभाग की संरचना और कार्यों की समझ होना आवश्यक है।

जन संपर्क Public relations

कुछ साइटों पर, जैसे कि एक आवासीय परिसर, शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड को जनता के निरंतर संपर्क में रहना पड़ता है। यदि कोई समस्या है या कुछ जानकारी चाहते हैं तो लोग सुरक्षा गार्ड की ओर रुख कर सकते हैं। जनता के साथ व्यवहार करते समय गार्ड को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से कार्य करना चाहिए।

आपातकाल स्थितियों पर प्रतिक्रिया Responding to emergencies

आपातकाल की स्थिति में, लोग पहले सुरक्षा गार्ड की मदद ले सकते हैं। गार्ड को उचित तरीके से जवाब देने की आवश्यकता है। प्रत्येक साइट पर एक आपातकालीन प्रतिक्रिया और एक अग्नि सुरक्षा योजना होनी चाहिए जो किसी आपात स्थिति में चरण–दर–चरण प्रक्रिया प्रदान करती है। सुरक्षा गार्ड को आग लगने की स्थिति में इमारत को खाली करने की आवश्यकता हो सकती है। यदि सुरक्षा गार्ड जानता है कि क्या करना है और समय पर कार्य करने में सक्षम है, तो जनता को उस पर अधिक भरोसा होगा।

नियंत्रण पहुंच Access control

एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड को एक संगठन में लोगों, वाहनों और सामग्री के प्रवेश और निकास पर नियंत्रण करना होता है। इसके लिए कर्मचारियों और आगंतुकों के पहचान पत्रों की जांच, पैकेजों और वाहनों का निरीक्षण करना पड़ सकता है। कभी–कभी, नियोक्ताओं को अपने श्रमिकों को सामानों की चोरी, चोरी करने और जानकारी के गलत जगह पहुंच जाने का संदेह होता है। ऐसी स्थितियों में, सुरक्षा गार्ड को कर्मचारियों के उस स्थान से बाहर जाने पर उनकी जांच करने के लिए कहा जा सकता है। संदिग्ध व्यक्तियों और पैकेजों की पहचान करना और रिपोर्ट करना भी शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की जॉब का एक हिस्सा है।

चित्र 1.4 : अतिथियों की लॉगबुक में व्यक्तिगत जानकारी भरने वाली महिला

गश्त लगाना (पेट्रोलिंग) Patrolling

नियमित अंतराल पर चक्कर लगाकर या ड्राइविंग करके किसी क्षेत्र पर नजर रखना 'गश्त' कहलाता है। गश्त महत्वपूर्ण है क्योंकि सुरक्षा गार्ड केवल एक ही स्थान पर रहने की तुलना में एक बड़े क्षेत्र का निरीक्षण कर सकता है। यह पूरे क्षेत्र में जोखिमों और खतरों की पहचान करने में मदद करता है। गश्त लगाने से अक्सर असामाजिक तत्वों और अपराधियों को साइट के भीतर और आसपास अवैध गतिविधियों में संलग्न होने से रोका जा सकता है।

यातायात को नियंत्रित करना Controlling traffic

पैदल यात्री और यातायात नियंत्रण जनता की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। पैदल यात्रियों और यातायात को नियंत्रित करना शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड के मुख्य कर्तव्यों में से एक है। यातायात प्रबंधन और आगंतुकों द्वारा वाहनों की पार्किंग का संचालन शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड द्वारा किया जाता है। औद्योगिक या निर्माण क्षेत्रों में तैनात शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड यातायात को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं, साथ ही निर्माण और अन्य औद्योगिक गतिविधियों की अनुमति देते हुए सड़क श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। वे ट्रैफ़िक वेस्ट (एक चमकीले रंग का वेस्ट पहनते हैं, जो प्रकाश को दर्शाता है या जिसमें अंदर से एलईडी लाइटें लगी होती हैं) और

हेलमेट को पहनते हैं। वे सिग्नल फ्लैग (लाल या नारंगी रंग में एक छोटा या बड़ा फ्लैग) या सिग्नल बैटन का उपयोग करते हैं (जो कि लाइट जलाता है या लाल बत्ती को दर्शाता है)।

चित्र 1.5: गेट पर पहुंच को नियंत्रित करने वाला एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड

लोगों की सुरक्षा, संपत्ति और जानकारी **Protection of people, property and information**

लोगों की सुरक्षा करना ***Protecting people***

लोगों के जीवन की रक्षा करना एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यह विभिन्न तरीकों से किया जाता है, जैसे साइट पर गश्त करना, खतरों की पहचान करना और साइट तक पहुंच को नियंत्रित करना। एस्कॉर्ट लोगों को वाहन संबंधी सहायता प्रदान करना, जिनका जीवन खतरे में है, सुरक्षा गार्ड की जिम्मेदारी का एक हिस्सा भी है।

संपत्ति की रक्षा करना ***Protecting property***

शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड के मुख्य कर्तव्यों में से एक क्षेत्र, और परिसर में संग्रहीत सामग्री या उपकरण की सुरक्षा करना है। गश्त के दौरान खतरनाक पहचान, इसके बाद त्वरित रिपोर्टिंग से आपदाओं को रोकने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए, यदि समय रहते पता नहीं लगाया गया तो आग किसी इमारत को नष्ट कर सकती है। इसी तरह, यदि आधारभूत सुरक्षा प्रणालियों या सुरक्षा गार्डों द्वारा सुरक्षित नहीं है तो सामग्री और उपकरण चोरी हो सकते हैं।

जानकारी की सुरक्षा करना ***Protecting information***

जानकारी का संरक्षण महत्वपूर्ण हो रहा है, खासकर डिजिटल युग में। चीजों को गुप्त रखने को 'गोपनीयता' कहा जाता है। एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड अक्सर एक इमारत के विभिन्न हिस्सों की चाबियां रखते हैं जहां अन्य लोग प्रवेश नहीं कर सकते हैं। व्यक्ति का कर्तव्य सूचना तक पहुंच को प्रतिबंधित करना है, जिसे गुप्त रखा जाना चाहिए या किसी संगठन के कुछ सदस्यों के साथ साझा किया जाना चाहिए।

महत्वपूर्ण डेटा को कई तरीकों से एक्सेस या नष्ट किया जा सकता है। शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की जिम्मेदारियों में से एक प्रतिबंधित क्षेत्रों के माध्यम से लोगों को एस्कॉर्ट करना है और यह सुनिश्चित करना है कि उनके पास गोपनीय डेटा तक पहुंच नहीं है। जानकारी लीक होने पर कुछ उदाहरण हो सकते हैं लेकिन एक सतर्क सुरक्षा गार्ड द्वारा इसे रोका जा सकता है:

(i) महत्वपूर्ण फ़ाइलों को एक ऐसे क्षेत्र में छोड़ दिया जाता है जहाँ से उन तक आसानी से पहुँचा जा सकता है
(ii) अनधिकृत लोगों को प्रतिबंधित क्षेत्रों या स्थानों तक पहुँच प्राप्त करना

यदि सुरक्षा गार्ड को इस तरह की घटना के बारे में जानकारी लीक होन या जोखिम होने के बारे में महसूस होता है, तो उसे तुरंत पर्यवेक्षक को इसकी सूचना देनी चाहिए।

सुरक्षा खतरों का पता लगाना और रिपोर्ट करना **Finding and reporting safety hazards**

एक खतरे का अर्थ है संकट या जोखिम होना। शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड के गश्ती दल में साइट पर सुरक्षा निरीक्षण करना और जोखिम या खतरों के बारे में तुरंत रिपोर्ट करना शामिल है। एक खतरे का पता चलने और जल्दी से कार्रवाई तय करने पर एक आपदा को टाला जा सकता है।

आधिकारिक प्रक्रिया और निर्देश **Official procedures and instructions**

किसी संगठन में शामिल होने के समय वरिष्ठ या पर्यवेक्षक द्वारा शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाता है। यह कंपनी के मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को जानना चाहिए, जो संगठन की नीतियों और काम करने के तरीकों को संदर्भित करता है। ये कंपनी की सभी साइटों से संबंधित हैं। इनमें ड्रेसिंग, समय की पाबंदी और जनता के साथ व्यवहार करने जैसी तैयारी करने से जुड़ी उम्मीदें शामिल हो सकती हैं। एसओपी के अलावा, क्षेत्र–विशिष्ट निर्देश हैं, जिन्हें 'पोस्ट ऑर्डर' के रूप में जाना जाता है, जो संगठन के भीतर क्षेत्र–से–क्षेत्र तक भिन्न हो सकते हैं। मिसाल के तौर पर, प्रवेश द्वार की सुरक्षा करने वाले गार्ड के लिए और पार्किंग क्षेत्र की देखरेख करने वाले के लिए आदेश अलग–अलग होंगे। इसलिए, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पोस्ट ऑर्डर में एक विस्तृत क्षेत्र–विशिष्ट नौकरी विवरण दिए जाते हैं। क्षेत्र–विशिष्ट निर्देशों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं :

(i) आपातकालीन संपर्क नंबर
(ii) पोस्ट का स्थान
(iii) कार्य की शिफ्ट

(iv) गश्त प्रक्रिया
(v) आपात स्थिति के दौरान रिपोर्टिंग प्रक्रिया

सुरक्षा गार्ड को एसओपी और क्षेत्र–विशिष्ट निर्देशों में सभी अद्यतन या परिवर्तन पढ़ने चाहिए। वह विशेष निर्देशों के साथ मेमो या नोटिस भी प्राप्त कर सकते हैं जो प्रारंभिक निर्देशों में शामिल नहीं हैं। इस तरह के नोटिस एक विशिष्ट घटना के लिए या स्थायी निर्देश के रूप में जारी किए जा सकते हैं।

यदि शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में निश्चित रूप से नहीं जानता है तो वह पर्यवेक्षक से सवाल पूछ सकता है और संदेह को स्पष्ट कर सकता है।

प्रायोगिक अभ्यास

गतिविधि 1

एक शॉपिंग मॉल, एक एटीएम बूथ या किसी अन्य स्थान पर जाएं, जहां आपको गेट पर एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड मिल सकता है। एक दूरी से गार्ड का निरीक्षण करें और गतिविधियों का ध्यान दें वह जॉब के भाग के रूप में प्रदर्शन कर रहा है। आप क्या सोचते हैं कि वे कौन सी जिम्मेदारियां (गतिविधियां) हैं जिन्हें सुरक्षा गार्ड को आपके द्वारा देखे गए कार्य के अलावा करना चाहिए था?

अपनी प्रगति जांचें

क. बहु विकल्प प्रश्न

1. इनमें से कौन सी एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की जिम्मेदारी नहीं है?
(क) किसी व्यक्ति को अपराध के लिए गिरफ्तार करना
(ख) परिसर में अपराध को रोकना / उसकी रखवाली करना
(ग) उच्चतर अधिकारियों को आपातकालीन स्थितियों की रिपोर्ट करना
(घ) परिसर में लोगों और वाहनों का निरीक्षण करना

2. गश्त ..... को संदर्भित करता है।
(क) आपात स्थिति पर रिपोर्टिंग
(ख) प्रवेश द्वार पर पहुंच को नियंत्रित करना
(ग) प्रौद्योगिकी का उपयोग करके यातायात को नियंत्रित करना
(घ) स्थल पर इधर उधर देखना और उसकी रखवाली करना

3. 'गोपनीयता' ..... से संबंधित शब्द है।
(क) संपत्ति की रक्षा करना
(ख) सूचना की सुरक्षा करना
(ग) लोगों की सुरक्षा करना
(घ) सुरक्षा गार्ड का आत्मविश्वास और रवैया

ख. रिक्त स्थान भरें

1. चीजों को गुप्त रखना ..... कहलाता है।
2. सभी स्थितियों में, एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड का कर्तव्य ....., डेटर और ..... के लिए है।
3. मानक ..... प्रक्रियाएं (एसओपी) कंपनी की नीतियों और काम करने के तरीकों को संदर्भित करती हैं।

ग. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का वर्णन करें।
2. 'गोपनीयता' क्या है? क्या आपको लगता है कि आपके स्कूल में कोई गोपनीय डेटा है? यदि हां, तो एक उदाहरण दें। यदि इस तरह का गोपनीय डेटा लीक हुआ है तो नुकसान या परिणाम क्या होगा?
3. पोस्ट ऑर्डर क्या हैं?

आपने क्या सीखा?

इस सत्र के पूरा होने के बाद, आप यह करने में सक्षम होंगे

- सुरक्षा के उद्देश्य का वर्णन करना।
- एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की पहचान करना।
- विभिन्न प्रकार की सुरक्षा के बीच अंतर को प्रदर्शित करना।
- शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की निवारक, सुरक्षात्मक और जासूसी भूमिका के बीच अंतर करना।

सत्र 2 : जोखिम, धमकियां, खतरे और आपात स्थिति – प्रतिक्रिया

आपने देखा होगा कि हर जगह खतरा मौजूद है। हालांकि, जोखिम कुछ स्थानों पर और निश्चित समय पर अधिक हो जाता है। रात में किराने की दुकान की तुलना में बैंक के लिए चोरी का जोखिम अधिक है। एक व्यक्ति जो जोखिमों और खतरों से अवगत है, एक अप्रिय घटना के प्रभाव को रोकने और कम करने के लिए उचित और समय पर कार्रवाई कर सकता है।

संपत्तियां और जोखिम **Assets and risks**

'जोखिम' से तात्पर्य मूल्य के कुछ खोने की संभावना से है। एक व्यक्ति, वस्तु या जानकारी जिसे मूल्यवान माना जाता है और सुरक्षा की आवश्यकता होती है, उसे 'संपत्ति' कहा जाता है। यदि कुछ घटनाओं (जैसे, मौत, चोट, चोरी या क्षति) की घटना की संभावना है, जो परिसंपत्ति को प्रभावित कर सकती है, तो इसमें जोखिम भी शामिल है। निवारक कार्रवाई या उपाय करके ऐसी घटनाओं की संभावना को कम करना शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की जिम्मेदारी है। जोखिमों के प्रकार और स्तर को जानने से न केवल सुरक्षा गार्ड की योजना के अनुसार मदद मिलती है, बल्कि खुद को और दूसरों को सुरक्षित रखने में भी मदद मिलती है।

जोखिम का स्तर **Risk levels**

एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड उच्च, मध्यम या कम जोखिम वाली कार्य स्थितियों में काम कर सकता है। यह भी संभव है कि वह एक सप्ताह कम जोखिम वाली साइट और अगले दिन उच्च जोखिम वाली साइट पर काम करे। दिन के दौरान जोखिम का स्तर भी बदलता है।

उच्च जोखिम वाली स्थिति

i. एक साइट पर अकेले काम करना
ii. अपराध और हिंसा के लिए जाने जाने वाले क्षेत्र में पोस्टिंग
iii. रात की शिफ्ट में गश्त

उपरोक्त परिस्थितियां अक्सर असुरक्षित होती हैं, खास तौर पर जब वे संयुक्त होती हैं। उदाहरण के लिए, सुरक्षा गार्ड एकमात्र व्यक्ति हो सकता है जो रात में आभूषण की दुकान की रखवाली करता है और वह भी अपराध–ग्रस्त क्षेत्र में।

मध्यम जोखिम की स्थिति ***Medium-risk situations***

देर शाम की शिफ्ट जब कर्मचारी या ग्राहक साइट को छोड़ने वाले होते हैं।

कम जोखिम वाली स्थिति ***Low-risk situations***

दिन की शिफ्ट

धमकी

सुभेद्यता और जोखिम के साथ इसके संबंध **Vulnerability and its relation to risk**

'खतरा' कुछ भी या कोई भी है, जो किसी व्यक्ति की सुभेद्यता (अर्थात, सुरक्षा में कमी या अंतराल), व्यक्ति, सामग्री या जानकारी को प्राप्त करने, नुकसान या नष्ट करने के लिए जानबूझकर या गलती से इसका फायदा उठा सकता है। खतरे जोखिम पैदा करने के लिए सुभेद्यता का लाभ उठाते हैं। उदाहरण के लिए, एक घुसपैठिया

'खतरा' है, परिसर की बाड़ की नहीं होने से यह 'सुभेद्य' हो जाता है और उद्योग से सामग्री की चोरी की संभावना एक 'जोखिम' है। आग एक खतरा है, भागने के मार्गों की अनुपस्थिति सुभेद्यता है और आग के कारण जीवन के नुकसान की संभावना एक जोखिम है।

परिसंपत्ति + खतरा + सुभेद्यता = जोखिम

यदि हम एक ज्वेलरी स्टोर का उदाहरण लेते हैं, तो एक सुरक्षा गार्ड सुरक्षा करता है, जोखिम यह होगा :
दुकान पर आभूषण (संपत्ति) + शहर में अपराधी (खतरा) + रात में दुकान के आसपास प्रकाश की कमी (सुभेद्यता) = लूट (जोखिम) की संभावना

खतरे के प्रकार **Types of threat**

किसी संगठन से खतरा निम्नलिखित में से हो सकता है :

दुखी ग्राहक ***Unhappy customers***

सेवा से नाखुश, ग्राहक किसी तरह के खतरनाक रास्ते का सहारा ले सकते हैं, अर्थात, किसी संगठन की संपत्ति को नष्ट कर सकते हैं। यह अक्सर अस्पतालों के मामले में रिपोर्ट करता है जब लोगों को लगता है कि डॉक्टरों की लापरवाही के कारण मरीजों की मौत हो गई।

गुस्सा में कर्मचारी ***Angry employees***

असंतुष्ट कर्मचारियों का एक समूह संगठन, साथ ही, साइट पर संग्रहीत सामग्री भी लोगों के जीवन के लिए खतरा हो सकती है।

प्रदर्शनकारी ***Protesters***

ये आस पड़ोस में रहने वाले लोग हो सकते हैं जो संगठन के कारण समस्याओं (जैसे वायु प्रदूषण या दूषित पानी) का सामना कर रहे हों।

शरारती (प्रैंकस्टर्स) ***Pranksters***

लोग जो मौज–मस्ती या रोमांच के लिए होक्स बम कॉल करते हैं, शरारती समूह में शामिल होते हैं। वे संगठन में गतिविधि को बाधित करते हैं, जिससे नुकसान होता है।

अपराधी ***Criminals***

वे कानून तोड़ने वाले लोगों के समूह से संबंधित हैं। अन्य खतरों का सामना करना पड़ सकता है कि एक संगठन नशीली दवाओं के दुरुपयोग, नशे में कर्मचारियों या ग्राहकों, हिंसा, भीड़भाड़, आग लगने पर निकास अवरुद्ध होना और अपर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपायों के कारण हो सकता है।

जोखिम **Hazard**

इसका अर्थ है कुछ ऐसा कारक जो नुकसान का कारण बन सकता है। खतरे को अक्सर जोखिम के समान अर्थ में इस्तेमाल किया जाता है।

आपातकालीन Emergency

एक घटना जो हुई है या होने वाली है और संगठन या पर्यावरण के कर्मचारियों या संपत्ति के जीवन को खतरे में डालती है, और इसके लिए महत्वपूर्ण और समन्वित प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है, जिसे 'आपातकाल' कहा जाता है।

ज्यादातर मामलों में, आपात स्थिति में स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए 'शमन' प्रयासों की आवश्यकता होती है। हालांकि, शमन संभव नहीं हो सकता है जब घटना पहले से ही हो। क्या तब 'उपशामक' देखभाल संभव है। उदाहरण के लिए, यदि शॉपिंग मॉल के पार्किंग क्षेत्र में पहले से कोई दुर्घटना हो गई हो तो शमन संभव नहीं है। ऐसे मामले में कार्रवाई की योजना घायल लोगों को तत्काल चिकित्सा सुनिश्चित करना है।

किसी आपात स्थिति की घटना में, शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड पहला व्यक्ति हो सकता है जो मदद के लिए बारी करता है। गार्ड को जिम्मेदारी से कार्य करने की आवश्यकता है। संगठन की आपातकालीन योजना यह बताती है कि विभिन्न आपातकालीन स्थितियों में क्या करना है। आपातकालीन योजना का बार–बार पढ़कर और कई मॉक ड्रिल द्वारा यह सुनिश्चित करते हैं कि सुरक्षा गार्ड को ऐसी स्थितियों में क्या करना है।

चित्र 1.6 : आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर

निरीक्षण और रिपोर्टिंग Observing and reporting

निरीक्षण, निरोध और रिपोर्टिंग शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड के मूल कर्तव्य हैं। यदि इन गतिविधियों को समय पर और कुशलता से किया जाता है, तो शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड संपत्ति (अर्थात, लोग और संपत्ति) के जोखिम कम कर सकता है क्योंकि वे खतरों की पहचान कर सकते हैं और सुरक्षा की खामियों को ठीक कर सकते हैं।

निरीक्षण करने से विस्तृत नोट्स या रिपोर्ट तैयार करने में मदद मिलती है। नोट अपराधियों खोज करने में मदद कर सकते हैं और उसके बारे में वरिष्ठों को सूचित किया जा सकता है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था में अंतराल को खोजने और उन्हें ठीक करने के लिए संबंधित प्राधिकरण की मदद की जा सकती है।

रिपोर्टिंग में संबंधित अधिकारियों से संवाद करना शामिल है कि किसी ने क्या देखा है। उदाहरण के लिए, पुलिस, एम्बुलेंस, आग या अन्य आपातकालीन सेवाओं के लिए कॉल करते समय, यह वर्णन करना महत्वपूर्ण है कि क्या, कब, कहां, कौन और क्यों।

आप कौन हैं और आपको वापस कैसे कॉल करें? क्या हो रहा है या क्या हुआ है?
यह कब हुआ?
यह क्यों हुआ?
यह कहां हो रहा है?
यह कैसे हुआ?

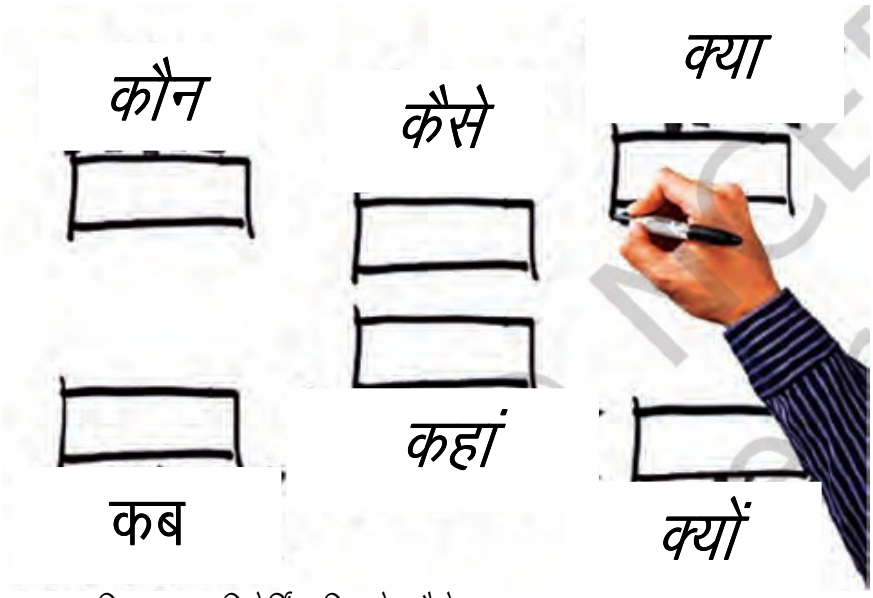

चित्र 1.7 : रिपोर्टिंग किसने, कैसे, क्या, कब, कहा आर क्या का

यह तात्कालिकता के मामले में या लिखित रिपोर्ट के रूप में मौखिक रूप से किया जा सकता है। एक लिखित के साथ मौखिक रिपोर्ट का पालन करना हमेशा बेहतर होता है। शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड को शिफ्ट के दौरान होने वाली असामान्य घटनाओं, साथ ही नियमों के उल्लंघन के मामलों की रिपोर्ट करने की आवश्यकता होती है।

शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड को नोटों और रिपोर्टों के महत्व को समझना चाहिए, जिन्हें अदालत में सबूत के रूप में पेश किया जा सकता है।

प्रतिक्रिया तंत्र : संदिग्ध पैकेज और हथियार का खतरा

संदिग्ध पैकेज Suspicious packages

किसी संगठन पर हमला करने और जान–माल के नुकसान के लिए पत्र जैसे पैकेज का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह संभव हो सकता है कि इस तरह के पैकेज हानिरहित हैं, लेकिन इसका उद्देश्य संगठन में आतंक और गतिविधि को बाधित करना होता है।

एक संदिग्ध पैकेज का पता लगाना हमेशा आसान नहीं होता है। जोखिम को कम करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है डिलीवरी को ऑर्डर से मिलान करना, इसके अलावा, केवल उन पैकेजों को स्वीकार करना, जो अपेक्षित हैं। दूसरा तरीका यह है कि डिलीवरी का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया जाए और केवल विश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं या कूरियर सेवा प्रदाताओं से आपूर्ति ली जाए।

चित्र 1.8 : संदिग्ध पैकेज

संदिग्ध पैकेज की पहचान करने का कोई मानक तरीका नहीं है। कुछ कारक जो किसी पैकेज के संदिग्ध होने पर निर्णय लेने में विचार कर सकते हैं, वे इस प्रकार हैं :

(i) पैकेज पर प्रेषक का पता नहीं होना
(ii) पैकेज के पते से परिचित नहीं होना
(iii) आइटम अपने आकार के अनुसार बहुत भारी है
(iv) पैकेज संतुलित नहीं है और लोप साइडेड है
(v) पैकेज में निकले हुए वायर होते हैं
(vi) पैकेज में अप्रत्याशित लीक या चिपचिपा पदार्थ होता है या भाप निकलती है
(vii) अजीब गंध छोड़ने वाला पैकेज
(viii) पैकेज पर तेल के दाग
(ix) गीली पैकेजिंग या नमी
(x) पैकेज को लेने के दौरान त्वचा, आंख या नाक पर अचानक जलन या बीमारी महसूस होना
(xi) पैकेज देने वाला व्यक्ति व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से इनकार कर देता है

प्रतिक्रिया तंत्र **Response mechanism**

(i) शांत रहें और तुरंत पुलिस से संपर्क करें।
(ii) यदि आप पैकेज पकड़ रहे हैं, तो इसे समतल सतह पर रखें और पास में रखे अन्य सामानों को हटा दें।
(iii) इसे साइट से स्थानांतरित न करें।
(iv) इसे अन्य वस्तुओं या सामग्री से अलग रखें ताकि यह आसानी से पहचाने जा सके।
(v) क्षेत्र खाली करना। सबसे तेज साधन फायर अलार्म का उपयोग करना है। घबराहट से बचने के लिए, हर कमरे में जाना बेहतर है, लोगों से इमारत खाली करने के लिए कहें।
(vi) यदि, पैकेज लोगों को दूषित करता है (छलकाव, जलन या बीमारी के कारण), उन्हें एक सुरक्षित स्थान पर ले जाएं और उन्हें अलग रखें। सुनिश्चित करें कि साइट पर सभी एयर कंडीशनिंग यूनिट और पंखों को दूषित के आगे प्रसार को रोकने के लिए बंद कर दिया गया है।
(vii) प्रभावित लोगों के लिए चिकित्सा सहायता लें।

हथियार की धमकी **Weapon threat**

किसी हथियार (जैसे, बंदूक) से खतरे के मामले में, सबसे अच्छी कार्यनीति 'भागना–छिपना–कहना' है, खास तौर पर जब कोई निहत्था हो।

भागना **Run**

सुरक्षा के स्थान पर भागना। शुरू में कवर करें लेकिन जितनी जल्दी हो सके क्षेत्र छोड़ने की कोशिश करें। क्षेत्र से दूर भागना भी इच्छित भागने के मार्ग की सुरक्षा पर निर्भर करेगा।

(i) यदि आप अपने सभी सामान नहीं ले सकते हैं तो सेल फोन को छोड़कर सबको पीछे छोड़ दें।

(ii) कभी भी खुले क्षेत्रों में इकट्ठा न हों या निकासी बिंदुओं पर प्रतीक्षा करें क्योंकि यह पूरे समूह को कमजोर बनाता है।

(iii) ऐसे लोगों का मार्गदर्शन करें जो क्षेत्र से अपरिचित हैं।

(iv) गनफायर से कवर के रूप में ईंट या कंक्रीट की दीवारों का उपयोग करें।

(v) वाहन (इंजन ब्लॉक क्षेत्र) या पेड़ों जैसी बड़ी स्थिर वस्तुओं को भी कवर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

छिपाना **Hide**

यदि भागना एक सुरक्षित विकल्प नहीं है, तो अगला सबसे अच्छा विकल्प 'छिपना' है। अन्य क्रियाएं जिन्हें आप चुन सकते हैं, वे इस प्रकार हैं :

(i) क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए ताले या बैरिकेड्स का उपयोग करें।

(ii) उन क्षेत्रों की पहचान करें जहां आप छिप सकते हैं, जैसे कि खिड़कियां, दरवाजे या बालकनी।

(iii) शांत रहें और क्षेत्र से तभी बाहर निकलें जब संबंधित अधिकारी आपको ऐसा करने के लिए कहें या आपको सुरक्षा कारणों से ऐसा करना पड़े।

(iv) सेल फोन, रेडियो और अन्य उपकरणों को साइलेंट मोड पर रखें।

(v) अंतिम उपाय के रूप में, आप सशस्त्र हमलावरों द्वारा सामना किए जाने पर अपने आप को बचाने के लिए इंप्रोवाइज्ड हथियारों का उपयोग कर सकते हैं।

कहना **Tell**

आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके पुलिस को बताएं या सूचित करें। क्षेत्र के बारे में पुलिस या वरिष्ठों को विस्तृत जानकारी प्रदान करने से उपद्रवियों को शांत करने और क्षेत्र को सुरक्षित करने में उनकी मदद होती है। हालांकि, किसी को जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करते समय अपराधी को लोकेशन से अवगत कराते हुए स्वयं और अन्य लोगों की सुरक्षा को खतरे में नहीं डालना चाहिए। निम्नलिखित जानकारी साझा करने के प्रयास किए जाने चाहिए :

(a)

(b)

(c)

चित्र 1.9 (ए, बी, सी) : शस्त्र हमले के मामले में की जाने वाली कार्रवाई

(i) उस स्थान की लोकेशन जहां घटना घटी है
(ii) अपराधी का भौतिक विवरण
(iii) किसी विशेष दिशा में अपराधी की आवाजाही
(iv) प्रयुक्त हथियारों का विवरण
(v) घटना के समय क्षेत्र में लगभग संख्या में लोग
(vi) घायल कर्मचारियों की संख्या
(vii) अपराधी का इरादा, यदि ज्ञात हो या महसूस हो

वरिष्ठ या पुलिस शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड को लाइन में बने रहने और स्थिति बदलने के साथ अपडेट प्रदान करने के लिए कह सकते हैं। आपातकालीन सेवाओं के लिए संपर्क तालिका 1.1 में दिए गए हैं।

तालिका 1.1 : भारत में आपातकालीन संपर्क नंबर

क्र. सं.	आपातकालीन सेवा	हेल्पलाइन नं.
1.	पुलिस	100
2.	आग	101
3.	एम्बुलेंस	102
4.	ब्लड बैंक	104
5.	महिलाओं के लिए हेल्पलाइन	181
6.	पर्यटक हेल्पलाइन	1096
7.	चाइल्ड हेल्पलाइन	1363
8.	गैस का रिसाव	1098

कार्यस्थल पर सामान्य खतरे Common hazards at workplace

नए और अप्रत्याशित खतरे कभी भी उत्पन्न हो सकते हैं। खतरों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है :

स्वच्छता संबंधी खतरे Hygiene related hazards

इनमें हानिकारक ठोस, तरल पदार्थ और गैसों के साथ हाथों, चेहरे और शरीर के अन्य उजागर भागों पर संदूषण शामिल हो सकते हैं, जो हेपेटाइटिस बी जैसे रोगों के लिए एक अतिसंवेदनशील हो सकता है। हेपेटाइटिस बी एक वायरस है जो यकृत को प्रभावित करता है। खाना खाने से पहले साबुन और साफ पानी से हाथ धोना जरूरी है।

जंग लगे कील, टिन या लोहे पर कदम रखने से 'टिटनस' हो सकता है। यह टिटनस जीवाणु के कारण होता है। जीवाणु एक विष का उत्पादन करता है जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे मांसपेशियों में कठोरता होती है। टिटनस के शुरुआती लक्षणों में दस्त, बुखार और सिरदर्द शामिल हैं।

चित्र 1.10 : हाथ धोने के लिए प्रतीक

उपकरण और मशीनरी संबंधी खतरे **Tools and machinery related hazards**

निम्नलिखित के कारण चोट लग सकती है :

(i) मशीनों या तेज वस्तुओं का उपयोग
(ii) भारी वाहन जो भारी मात्रा में सामग्री का भार उठाते हैं
(iii) वाहनों की गति
(iv) सुरक्षा गार्ड के बिना रखी हुई मशीनरी या दोषपूर्ण उपकरण

खतरनाक पदार्थ या खतरनाक सामान के संपर्क में आना

(i) ज्वलनशील, विस्फोटक या खतरनाक पदार्थ गैस सिलेंडर
(ii) धूल या अन्य कण, जैसे हवा में महीन कांच में सांस के रास्ते अंदर लेना
(iii) कारखानों में खतरनाक रसायन

ऊंचाइयों पर काम करना और गिरना **Working at heights and falls**

निम्नलिखित के बारे में सावधान रहना चाहिए :

(i) सीढ़ी या भवन से गिरना
(ii) डंपिंग प्लेटफॉर्म से गिरना
(iii) किसी स्थल या खराब प्रकाश व्यवस्था में तरल रिसाव के कारण फिसलन, लड़खड़ाहट और गिरना

मैनुअल हैंडलिंग Manual handling

निम्नलिखित कार्य करते समय सावधानी बरतने से चोटों को रोकने में भी मदद मिलती है :

(i) कचरे से तेज धार वाली सामग्री निकालना
(ii) वाहनों से सामान को उतारने में सहायता करना
(iii) बड़े भार को मैनुअल रूप से स्थानांतरित करना

शोर **Noise**

(i) साइट के चारों ओर मौजूद भारी संयंत्रों और वाहनों से जोर से और लगातार शोर
(ii) इयर प्लग पहनने से व्यक्ति पास के वाहन की आवाज़ सुनने में असमर्थ हो सकता है
(iii) काम करते समय मोबाइल फोन का उपयोग

विद्युतीय Electrical

(i) ओवरहेड या भूमिगत लाइव बिजली

(ii) विद्युत लीड और प्लग को खराब बनाए रखा या उजागर करना

सीमित स्थान Confined spaces

रिक्त स्थान का अर्थ है जैसे कि सेप्टिक टैंक, गड्ढे, मैनहोल, सिलोस, कंटेनर, सुरंग, आदि। कोई व्यक्ति ऐसे स्थान में तभी प्रवेश कर सकता है जब कोई उचित रूप से प्रशिक्षित हो और ऐसा करने के लिए उसे पर्यवेक्षक से विशिष्ट अनुमोदन प्राप्त हो।

आग Fire

कार्यस्थल पर आग लगने के सामान्य कारणों में लापरवाह धूम्रपान, माचिस की तीली, दहनशील सामग्री से अपर्याप्त दूरी, दोषपूर्ण विद्युत उपकरण और घटिया विद्युत तार शामिल हैं।

आग बुझाने के यंत्र का उपयोग करना ***Using a fire extinguisher***

पोर्टेबल एक्सटिंग्विशर के साथ आग बुझाने के लिए, आपके पास बुझाने की मशीन के लिए तत्काल पहुंच होनी चाहिए, यूनिट को सक्रिय करने और बुझाने वाले एजेंट को लागू करने का तरीका जानें। अग्निशामक यंत्र का उपयोग करने से पहले, आपको एक जोखिम मूल्यांकन करना होगा जो आग के आकार, वायुमंडल और आग के निकासी मार्ग के आसपास के वातावरण का मूल्यांकन करता है। आइए अब हम अग्निशामक यंत्र का उपयोग करने के लिए अपनाए जाने वाले विभिन्न चरणों को समझें। चरणों के अनुक्रम को याद रखने के लिए, आप इसे 'पास' PASS अर्थात पुल pull, उद्देश्य aim स्क्वीज़ squeeze और स्वीप के रूप में सीख सकते हैं।

चरण 1 : खींचना Pull

अग्नि शामक यंत्र की पिन या रिंग खींचें। इससे आप अग्नि शामक वाले एजेंट, अर्थात, पानी, कार्बन डाइऑक्साइड, फोम, आदि के निकलने के लिए हैंडल को स्क्विज कर सकेंगे।

चरण 2 : उद्देश्य Aim

नोजल को आग के आधार पर लक्षित करें, लेकिन आग से कम से कम 6 फीट की दूरी बनाए रखें।

चरण 3 : स्क्विज Squeeze

स्क्विज करें या हैंडल के साथ दबाएं। इससे अग्नि शामक एजेंट बाहर आएगा।

चरण 4 : स्वीप करें Sweep

नोजल को अगल–बगल से स्वीप करना, आग के आधार पर निशाना लगाएं। तब तक जारी रखें जब तक आग बुझ न जाए।

चित्र 1.11 : अग्निशामक यंत्र के उपयोग के चरण

जोखिम प्रबंधन **Risk management**

इसमें खतरों की पहचान करना, खतरों से जुड़े जोखिमों का आकलन करना, जोखिम को खत्म करने या नियंत्रित करने और इसकी प्रभावशीलता की निगरानी के लिए सर्वोत्तम व्यावहारिक उपाय को लागू करना शामिल है। जोखिम प्रबंधन को सभी सामग्री और एक कार्यस्थल पर की गई गतिविधियों के प्रकार पर लागू किया जाना चाहिए। इसका अर्थ है कि शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड खतरों का मूल्यांकन करता है और स्वयं और अन्य लोगों को चोट की संभावना से बचने या कम करने के लिए कार्यनीति विकसित करता है। व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा (ओएचएस) कार्यनीति में चार चरण – खतरे की पहचान, जोखिम मूल्यांकन, उन्मूलन या नियंत्रण, और नियंत्रण उपायों की निगरानी या समीक्षा शामिल हैं।

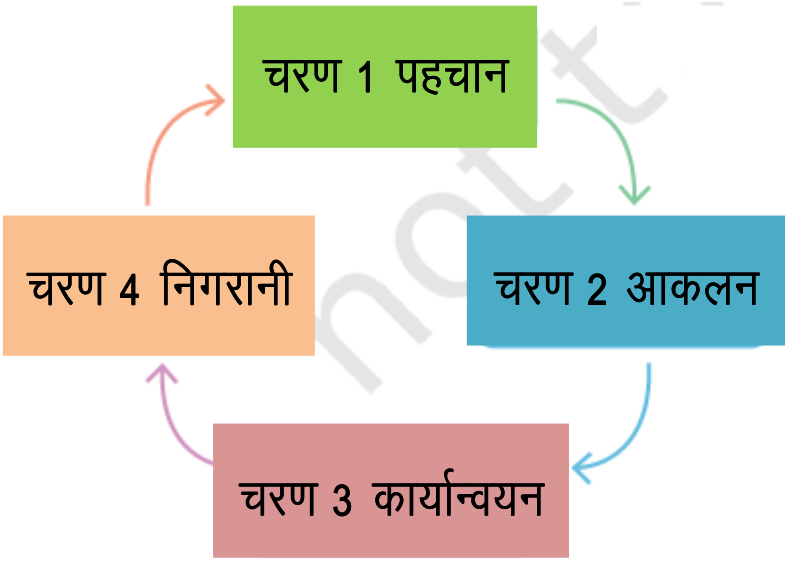

चित्र 1.12 : जोखिम प्रबंधन में शामिल चरण

जोखिम प्रबंधन में शामिल चरण Steps involved in risk management

जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया में चार चरण शामिल हैं।

चरण 1 : जोखिम और खतरों की पहचान करें
चरण 2 : खतरों के साथ जुड़े जोखिम का आकलन
चरण 3 : जोखिम को खत्म करने या नियंत्रित करने के लिए सबसे अच्छा व्यावहारिक उपाय लागू करें
चरण 4 : नियंत्रण उपायों की निगरानी या समीक्षा करें

जोखिम और खतरों की पहचान करना Identifying risks and hazards

हमने कार्यस्थल पर विभिन्न खतरों और जोखिमों के बारे में सीखा है। हमने यह भी सीखा है कि कार्यस्थल पर खतरों का संबंध स्वच्छता, औजारों और मशीनरी के उपयोग, खतरनाक पदार्थों या रसायनों, ऊंचाइयों पर काम करना, बिजली की फिटिंग या तारों की मैनुअल हैंडलिंग, आग आदि से हो सकता है। अब हम यह समझने की कोशिश करते हैं कि हम कैसे कार्यस्थल पर जोखिम और खतरों की पहचान कर सकते हैं। जोखिम और खतरों की पहचान निम्नलिखित तरीकों से की जा सकती है।

घटनाओं की रिपोर्ट ***Report of incidents***

यह अतीत में हुई घटनाओं की रिपोर्ट है। यह भविष्य के संदर्भ के लिए एक रिकॉर्ड के रूप में कार्य करता है।

स्व–निरीक्षण जांचसूची ***Self-inspection checklist***

स्व–निरीक्षण जांचसूची से रखरखाव स्टाफ को नियमित और आपातकालीन रखरखाव कार्यों को प्रभावी ढंग से योजना बनाने में मदद मिलती है और मशीनों या उपकरण के रखरखाव के लिए किए जाने वाले कार्यों की सूची के प्रति जांच करते हैं।

अवलोकन ***Observations***

श्रमिकों द्वारा की जा रही गतिविधियों या कार्यों को देखकर, जोखिम या संभावित खतरों का आकलन किया जा सकता है।

ज्ञान साझा करना ***Knowledge sharing***

अतीत में सामना की गई अप्रिय घटनाओं के बारे में अनुभव साझा करने वाले कर्मचारियों को सावधानी बरतने और श्रमिकों को आवश्यक निर्देश जारी करने में भी मदद मिलती है।

विशेषज्ञों के साथ परामर्श ***Consultation with specialists***

क्षेत्र विशेषज्ञ से परामर्श करने पर खतरों को कम करने या रोकने में मदद मिलती है।

नियमित रखरखाव की जांच ***Regular maintenance checks***

नियमित रखरखाव से रुकावट, लीक या टूटने जैसी समस्याओं को रोकने में मदद मिलती है, जिससे जोखिम बढ़ सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक रखरखाव अनुसूची होनी चाहिए कि उपकरण का रखरखाव कैसे किया जाए और निर्माता के ऑपरेटिंग निर्देशों में बताए गए अंतराल पर इसकी सर्विस कराई जाए।

जोखिम आकलन **Risk assessment**

जब एक खतरे का पता लगता है तो अगला कदम इसके साथ जुड़े जोखिमों का आकलन करना है ताकि यह कार्यस्थल पर किसी को नुकसान न पहुंचाया जाए। जोखिम सामान्य रूप से इस बात का आकलन है कि कोई गंभीर रूप से घायल किया जा सकता है या बीमार पड़ सकता है और जोखिम के स्पष्ट होने की संभावना है। जोखिम मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं :

(i) खतरों की पहचान
(ii) खतरे से जुड़े जोखिमों का विश्लेषण या मूल्यांकन
(iii) खतरे को समाप्त करने या नियंत्रित करने के लिए उचित तरीके निर्धारित करना

संभावना को देखकर परखना ***Judging the likelihood***

गंभीरता या परिणाम को ध्यान में रखते हुए, सोचें और न्याय करें कि यह कैसे संभव है कि कोई व्यक्ति खतरे से प्रभावित हो सकता है।

(i) बहुत संभव है : कभी भी हो सकता है
(ii) संभवत : कुछ समय में हो सकता है
(iii) असंभव है : हो सकता है लेकिन बहुत कम
(iv) बहुत कम संभावना है : हो सकता है लेकिन शायद कभी नहीं होगा

गंभीरता या परिणाम को देखकर परखना ***Judging the severity or consequence***

किसी खतरे की गंभीरता को देखते हुए, इस बारे में सोचें कि क्या यह हो सकता है :
(i) मृत्यु या स्थायी विकलांगता या बीमारी होना।
(ii) दीर्घकालिक बीमारी या गंभीर चोट लगना।
(iii) किसी को चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होना।
(iv) किसी को प्राथमिक चिकित्सा की आवश्यकता होना।

जोखिम की गंभीरता को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है :
(i) अत्यधिक जोखिम : अत्यधिक तत्काल, तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है
(ii) उच्च जोखिम : तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है
(iii) मध्यम जोखिम : एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई की आवश्यकता है
(iv) मामूली जोखिम : जरूरी नहीं; एक महीने के भीतर कार्रवाई की आवश्यकता है
(v) कोई जोखिम नहीं : कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है

जोखिम की डिग्री को प्रभावित करने वाले कारकों में निम्नलिखित शामिल हैं :

(i) किसी व्यक्ति में कोई खतरनाक चीज या स्थिति कितने समय पर उजागर होती है?

(ii) व्यक्ति को किस तरह से असर हुआ है (जैसे, वाष्प का अंदर जाना, त्वचा से संपर्क करना)?

(iii) जोखिम की स्थिति का सामना करने के प्रभाव कितने गंभीर हैं?

कार्यस्थल पर जोखिम मूल्यांकन कई जोखिमों और खतरों की खोज का कारण बन सकता है। यह संभावना है कि उन्हें एक बार में तय नहीं किया जा सकता है, इसलिए कार्यों की योजना बनाना और प्राथमिकता देना आवश्यक है। सबसे खराब खतरा, अर्थात, जो किसी भी समय हो सकते हैं, प्रकृति में सबसे गंभीर हैं, और चोट या बीमारी का कारण बन सकते हैं, पहले संबोधित किया जाना चाहिए। जोखिम आकलन के विभिन्न तत्वों को तालिका 1.2 में संक्षेपित किया गया है।

तालिका 1.2 : जोखिम मूल्यांकन के तत्व

तैयार रहें देखें	• हर समय खतरों की तलाश में रहें। • खतरनाक रिपोर्टिंग के लिए सिस्टम का उपयोग करें ताकि उनके बारे में कुछ किया जा सके।
खतरों का अनुमान लगाएं	• प्रत्येक कार्य को शुरू करने से पहले संभावित खतरों के बारे में सोचें।
बदलाव का हिसाब	• परिवर्तन एक नई परियोजना के परिणामस्वरूप हो सकता है – शुरू करना, कार्य प्रणाली में परिवर्तन, नए कर्मचारियों की शुरूआत, और इसके अलावा उपकरण या पदार्थों का परिवर्तन। • परिवर्तन खतरों को पेश किया जा सकता है, इसलिए किसी को हमेशा जागरूक होना चाहिए और खतरे की पहचान प्रक्रिया को कार्यान्वित करना चाहिए।
नए खतरों की रिपोर्ट करें	• जैसे ही किसी खतरे की पहचान की जाती है, इसकी सूचना तुरंत पर्यवेक्षक या संबंधित अधिकारियों को दें।
नियमित रूप से जोखिम मूल्यांकन का संचालन करें	• खतरों के लिए हर कोई जिम्मेदार है। यह प्रक्रिया रोजमर्रा के काम के अभ्यास का एक हिस्सा होना चाहिए।
रिकॉर्ड रखना	• किसी संगठन या उद्योग और उपकरणों के रखरखाव के रिकॉर्ड को नियमित रूप से बनाए रखा जाना चाहिए।

एक जोखिम मूल्यांकन का उद्देश्य खतरों की पहचान करना और उन्हें रैंक करना है ताकि उन्हें तदनुसार संबोधित किया जा सके।

जोखिम को खत्म करने या नियंत्रित करने के लिए व्यावहारिक उपायों को कार्यान्वित करना

तीसरा कदम घायल या नुकसान के जोखिम को दूर करने या कम करने के लिए नियंत्रण उपायों को कार्यान्वित करना है, और यह सुनिश्चित करना है कि उपायों की निगरानी और समीक्षा की जाती है। नियंत्रण एक तंत्र या प्रक्रिया है जो किसी खतरे की घटना के जोखिम को कम करता है। सामान्य कार्यस्थल खतरों को नियंत्रित करने के लिए किए जाने वाले कार्यों के उदाहरण तालिका 1.3 में दिए गए हैं।

तालिका 1.3 : कार्यस्थल के खतरों को नियंत्रित करने के लिए कार्य

समस्या	खतरों को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई
गीले या सूखे पदार्थों का फैलाव	देरी किए बिना फैली हुई चीजें अलग और साफ करें। हाल में की गई सफाई या फैलाव के बाद, लोगों को उन सतहों के बारे में सचेत करने के लिए चेतावनी संकेतों का उपयोग करें कि ये अभी गीली हैं। सफाई के फैलाव के लिए सोखने वाली सामग्री का उपयोग करें।
अनुपयुक्त जूते	जॉब और काम के माहौल के लिए उपयुक्त जूते पहनें।
गीले या गंदे जूते	फुट मैट पर जूते पोंछे।
बहुत कम रोशनी	पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करें।
अव्यवस्थित क्षेत्र	कार्यस्थल को साफ सुथरा और पैदल रास्ते को साफ रखें। सुनिश्चित करें कि वस्तुएं अटकने का खतरा पैदा नहीं करती हैं।
कचरा या अपशिष्ट	नियमित रूप से बिन से बेकार कागज, भोजन, पैकेजिंग और कूड़े को हटा दें। कचरे को हटाने के लिए नियमित साइट की सफाई करें
अव्यवस्थित सीढ़ियां	चीजों को रखने के लिए सीढ़ी का उपयोग न करें। हमेशा हैंड्रल्स का इस्तेमाल करें। सीढ़ियों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करें।
अत्यधिक भार	अपने पर्यवेक्षक को कार्यभार की समस्याओं की रिपोर्ट करें और अत्यधिक कार्यभार ले जाने से बचें। सामग्री को हाथ से ले जाते समय या ट्रॉलियों को धक्का देते समय, सुनिश्चित करें कि सामग्री इतनी ऊंची न हो कि आगे के रास्ते का दृश्य बाधित हो।
मशीनरी और उपकरण के साथ दोष	रिसाव के संकेतों के लिए उत्पादन मशीनरी का नियमित रखरखाव और निरीक्षण करना।
जोखिम भरी सीढ़ी	सुरक्षित उपयोग पर निर्माता की जानकारी के अनुसार सीढ़ी का उपयोग करें।

नियंत्रण उपायों की निगरानी या समीक्षा **Monitoring or review of control measures**

चौथा चरण नियमित रूप से नियंत्रण उपायों की निगरानी और समीक्षा करना है। निगरानी करते समय, यह जानना आवश्यक है कि नियंत्रण उपायों को योजना के अनुसार कार्यान्वित किया गया है या नहीं और यदि वे प्रक्रिया के अनुसार उपयोग किए जा रहे हैं।

आपातकाल के प्रकार Types of emergency

एक 'आपातकालीन' एक आकस्मिक, आमतौर पर, अप्रत्याशित घटना होती है, जिसमें तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता होती है। आपातकालीन स्थिति में, सरकार, गैर–सरकारी संगठनों और स्वयंसेवी एजेंसियों द्वारा तत्काल प्रतिक्रिया और राहत कार्य किए जाते हैं। इन गतिविधियों में विनाशकारी स्थिति को कम करना, खोज और बचाव कार्यों; प्रभावित लोगों को प्राथमिक चिकित्सा, भोजन, कपड़े, आश्रय और दवाइयों की व्यवस्था आदि को शामिल करना। आपातकालीन स्थिति भी आपदा में तब्दील होने की आशंका में हो सकती है और इसमें निकासी, भोजन, कपड़े, आश्रय, चिकित्सा आदि का प्रावधान शामिल हो सकता है।

आपदा और आपातकाल के बीच अंतर Difference between disaster and emergency

आपातकाल और आपदा दोनों अचानक होते हैं। आपदाओं की तुलना में आम तौर पर आपदाओं का एक बड़ा प्रभाव होता है। सत्र में कुछ सामान्य आपदाओं और आपात स्थितियों पर चर्चा की जाती है।

बाढ़ Floods

ये सबसे अधिक बार आने वाली प्राकृतिक आपदाएं हैं जिसका सामना भारत को लगभग हर साल अलग–अलग परिमाण में करना पड़ता है। भारी बारिश के कारण ऊपरी प्रवाह से नीचे बहने वाले उच्च प्रवाह को रोकने के लिए नदी के किनारों की अपर्याप्त क्षमता के कारण बाढ़ आती है। खराब जल निकासी वाले क्षेत्र पानी के जमाव से भर जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भारी बारिश होती है। यह पारिस्थितिकी और मानव बस्ती के लिए विनाशकारी है। बाढ़ के दौरान जान–माल का नुकसान होता है। बाढ़ के बाद, मानव और पशु पीड़ित हैं, बीमारियों का प्रसार और आश्रय और भोजन की कमी हो जाती है।

तकनीकी विफलताएं Technical failures

उपकरण की विफलता के कारण चोट लग सकती है और यहां तक कि जीवन का नुकसान भी हो सकता है। एक रासायनिक कारखाने के प्रक्रिया नियंत्रण प्रणालियों में विफलता प्रतिक्रियाओं का कारण बन सकती है, जो नियंत्रण से बाहर हो सकती है और आग, विस्फोट और यहां तक कि जहरीली गैसों के रिसाव हो सकते हैं।

मारपीट से जुड़े जोखिम Risks associated with assault

सुरक्षा गार्ड को अक्सर असामाजिक तत्वों, अनियंत्रित भीड़ या नाराज कर्मचारियों से हमले के जोखिम का सामना करना पड़ता है। हालांकि, हम सभी को आत्मरक्षा करने का अधिकार है। आत्मरक्षा का अधिकार उन स्थितियों तक सीमित है जहां हिंसा के तत्काल खतरे को अधिकृत लोगों द्वारा रोका नहीं जा सकता है। निजी रक्षा के अधिकार के सिद्धांत में अंतर्निहित मूल सिद्धांत यह है कि जब किसी व्यक्ति या उसकी संपत्ति को खतरे का सामना करना पड़ता है और राज्य मशीनरी की ओर से तत्काल सहायता आसानी से उपलब्ध नहीं होती है, तो व्यक्ति खुद की और किसी की संपत्ति की रक्षा करने का हकदार होता है। लेकिन अपनी और संपत्ति की रक्षा के लिए व्यक्ति द्वारा

इस्तेमाल किया जाने वाला बल आक्रामक रूप से खतरे को दूर करने के लिए आवश्यक रूप से असंगत नहीं होना चाहिए।

अपराधियों को पांच व्यापक श्रेणियों में बांटा गया है, जैसे कि अपराधी, बर्बर, उग्रवादी, विरोध समूह और आतंकवादी। वे लोगों को चोट पहुंच सकते हैं या मार सकते हैं; सुविधाओं, संपत्ति, उपकरण या संसाधनों को नष्ट कर सकते हैं या क्षति पहुंचा सकते हैं; उपकरण, सामग्री या जानकारी चोरी कर सकते हैं; और प्रतिकूल प्रचार कर सकते हैं। सुरक्षा गार्ड को ऐसे गुंडों, बदमाशों, आवारा, सड़क पर लड़ने वाले लोगों और इस तरह से निपटने के लिए शस्त्र रहित आत्मरक्षा तकनीकों में प्रशिक्षण प्राप्त करना हमले से बचाने और स्वयं और दूसरों की रक्षा करने में सक्षम बनाया जाता है। एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड होने के नाते, आक्रामक व्यक्ति का सामना करने का निर्णय लेने से पहले जोखिम का आकलन करना महत्वपूर्ण है। जोखिम का आकलन करने के बाद, व्यक्ति या तो व्यक्ति का सामना कर सकता है, बच सकता है या छिप सकता है और बैकअप के लिए पर्यवेक्षक से संचार कर सकता है। हालांकि, हमलावर के साथ उलझने से पहले पर्याप्त बैकअप के लिए इंतजार करना बेहतर है।

चित्र 1.13 : सुरक्षा से जुड़े सामान्य संकेत

सुरक्षा संकेत **Safety signages**

निकासी और सुरक्षा निर्देशों को प्रमुख स्थानों पर विशिष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाता है। आम तौर पर प्रदर्शित संकेत निम्नलिखित हैं, :

(i) फोटो ल्यूमिनेसेंट साइनेज, रीडिंग – 'आग की स्थिति में, सफेद पृष्ठभूमि पर लाल रंग में सीढ़ियों का उपयोग करें जब तक कि अन्यथा निर्देश न दिया गया हो', पूरी इमारत में 'निकास' मार्ग दिखाते हुए स्थापित किया गया हो।

(ii) फोटो ल्यूमिनेन्सेंट साइनेज, जो फ्लोर नंबर को दर्शाता है, 'एग्जिट' सीढ़ी में लगा होता है। प्रभावी तरीके से निकासी के लिए 'असेंबली पॉइंट्स' का संकेत भी दिया जाता है।

(iii) प्रत्येक सीढ़ी और प्रत्येक एलीवेटर को निकासी योजना के अनुसार नंबर दिए गए हैं, उदाहरण के लिए, सीढ़ी के लिए एस1, एस2, आदि, और लिफ्ट के लिए एल1, एल2, आदि।

(iv) सेवा क्षेत्रों में 'नो स्मोकिंग' संकेत लगाए जाते हैं।

(v) रसोई सुरक्षा संकेत रसोई में लगाए जाते हैं।

(vi) सभी बिजली के पैनलों पर 'हाई वोल्टेज' या 'खतरे' के संकेत लगे होते हैं।

सुरक्षा से जुड़े कुछ सामान्य संकेत चित्र 1.13 में दिखाए गए हैं।

प्रायोगिक अभ्यास

गतिविधि

कल्पना कीजिए कि आपको एक स्कूल में एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड के रूप में नियुक्त किया गया है।

1. निम्नलिखित पर ध्यान दें :

(i) संपत्तियां जिन्हें आपको संरक्षित करने की आवश्यकता है

(ii) सुभेद्यता

(iii) स्कूल को धमकी

(iv) स्कूल को जोखिम

2. स्कूल में सुरक्षा के मामले में किस तरह के जोखिम और खतरे हैं? निम्न तालिका में खतरे के प्रकार के खिलाफ एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड की भूमिका लिखें।

जोखिम	भूमिका
किसी व्यक्ति द्वारा शारीरिक क्षति	
आवश्यक सेवाओं का नुकसान	
जिम्मेदारी में समझौता	
प्राकृतिक आपदाएं	

गोपनीय जानकारी का बाहर निकल जाना	

3. आपके द्वारा पहचाने गए सुरक्षा जोखिमों या खतरों से निपटने के लिए अपनाए जाने वाले प्रतिक्रिया तंत्र पर एक संक्षिप्त नोट लिखें।

अपनी प्रगति जांचें

क. रिक्त स्थान भरें

1. ..... –छिपाना– ..... कार्यनीति का उपयोग हथियार के खतरों से निपटने के लिए किया जाता है।
2. खतरा + ... + सुभेद्यता = जोखिम
3. रात में गश्त करना एक ..... जोखिम की स्थिति है।

ख. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सुरक्षा खतरों को रोकने और रिपोर्ट करने में एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड के लिए अवलोकन कौशल क्यों महत्वपूर्ण हैं?

2. क्या आपको लगता है कि बंदूक से लैस लोगों के एक समूह द्वारा हमले के मामले में एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी? यदि नहीं, तो ऐसी स्थिति में क्या कार्यनीति अपनाई जा सकती है?

3. संदिग्ध पैकेज क्या हैं? क्या एक शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड को बम के रूप में एक संदिग्ध पैकेज की पहचान करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है? एक संदिग्ध पैकेज प्राप्त करने के बाद शस्त्र रहित सुरक्षा गार्ड को क्या कदम उठाने चाहिए?

आपने क्या सीखा?

इस सत्र के पूरा होने के बाद, आप यह करने में सक्षम होंगे

- संपत्ति, खतरे, सुभेद्यता और जोखिम के बीच संबंध की पहचान करना।
- संगठन द्वारा सामना किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के खतरों की सूची बनाना।
- एक संदिग्ध पैकेज का पता लगाने और हथियार के खतरे के मामले में प्रतिक्रिया देने और रिपोर्टिंग के ज्ञान को प्रदर्शित करना।